पंजीकरण सं. आर.एन. 40596/83 डाक पंजी. संख्या-डी.एल. (एन.) 05/0084/09-11

इस अंक का मूल्य 2 रुपये

॥ ओ३म् ॥

युवा उद्घोष

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् (पंजीकृत) का पाक्षिक शंखनाद

कार्यालय : आर्य समाज कबीर बस्ती, दिल्ली-110007, चलभाष : 9810117464, 9868051444

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद्

आर्य कार्यकर्त्ता बैठक

रविवार, 6 नवम्बर 2011

सांय 4 बजे

स्थान : आर्य समाज, कबीर बस्ती,
पुरानी सब्जी मण्डी, दिल्ली-7

सभी आर्ययुवक, आर्यजन
समय पर पहुंचे।

-महेन्द्र आर्य, महामन्त्री
फोन न. 9013137070

वर्ष-28 अंक-10 कार्तिक-2068 दयानन्दाब्द 188 16 अक्तुबर से 31 अक्तुबर 2011 (द्वितीय अंक) कुल पृष्ठ 4 वार्षिक शुल्क 48 रु.

E-mail : aryayouth@gmail.com aryayouthgroup@yahoogroups.com Website : www.aryayuvakparishad.com

जम्मू-कश्मीर भारत का अभिन्न अंग है-पाक अधिकृत कश्मीर को मुक्त करवाओ

प्रशान्त भूषण एडवोकेट का वक्तव्य भारत की सम्प्रभुता व अखण्डता को सीधी चुनौती

आंतकवादियों व उनके संरक्षकों को कठोर दण्ड दिया जाये।

-आर्य नेता डॉ. अनिल आर्य का आह्वान

आर्य समाज मंगोलपुरी, दिल्ली के वार्षिकोत्सव पर सम्बोधित करते डॉ. अनिल आर्य व साथ में श्री महेन्द्र बूटी, चन्द्रमोहन खन्ना, रामजन्म जी विश्वमित्र, दुर्गाप्रसाद कालरा, द्वितीय चित्र में आर्य समाज अमर कालोनी व तृतीय चित्र में आर्य समाज लाजपत नगर-।।, नई दिल्ली में सम्बोधित करते हुए।

नई दिल्ली। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अनिल आर्य ने कहा कि प्रशान्त भूषण एडवोकेट का जम्मू कश्मीर पर दिया गया वक्तव्य पूर्ण गैर जिम्मेदाराना व दुर्भाग्यपूर्ण है। डॉ. आर्य ने कहा कि अभिव्यक्ति की स्वतन्त्रता की आढ़ में देश की सम्प्रभुता व अखण्डता को सीधी चुनौती का कुटिल प्रयास सहन नहीं किया जायेगा। भारतीय संविधान के अनुसार जम्मू-कश्मीर भारत का अभिन्न अंग है तथा 26 अक्टूबर 1947 को महाराजा हरिसिंह के साथ जम्मू कश्मीर के भारत में पूर्ण विलय के हस्ताक्षर हुए थे। सरदार पटेल ने जिस तत्परता व साहस से भारत को अखण्ड बनाने का जो कार्य किया था आजादी के 65 वर्ष बाद यह तथाकथित बुद्धिजीवी चुनौती देने लगे हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय सेना पर हमें गर्व है जिन्होंने अपने बलिदान देकर भारत माता के भाल की सदैव रक्षा की है। क्या एडवोकेट प्रशांत भूषण पाकिस्तान में रहने वाले हिन्दुओं को जनमत संग्रह की मांग का समर्थन कर पायेंगे। जम्मू-कश्मीर से व पाकिस्तान से हजारों हिन्दू विस्थापित होकर भारत में अलग-अलग स्थानों पर भटक रहे हैं, क्या उनके लिए इस देश में कोई 'मानव अधिकार' कार्यकर्त्ता आवाज उठाता मिलता है, 1947 में भारत में आकर बसे हजारों हिन्दुओं को आज तक भी मताधिकार नहीं मिला है-क्यों?

प्रशांत भूषण एडवोकेट की पिटाई के मुद्दे पर डॉ. आर्य ने कहा कि यदि सरकार इस देशद्रोही पूर्ण वक्तव्य पर यदि समय रहते यथोचित्त कार्यवाही कर देती तो शायद इन देशभक्त नौजवानों का आक्रोश यह रूप न लेता।

अत: केन्द्र सरकार से मांग है कि देशद्रोहियों व उनके समर्थकों के विरूद्ध कठोर से कठोर कदम उठाये जिससे कोई भविष्य में प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष देश की सम्भुता व स्वाभिमान को चुनौती देने का साहस न कर सके।

परिषद् अध्यक्ष डॉ. अनिल आर्य आर्य समाज शालीमार बाग (पूर्वी), आर्य समाज सरस्वती विहार व आर्य समाज कालका जी नई दिल्ली में सम्बोधित करते हुए। उल्लेखनीय है कि डॉ. अनिल आर्य ने गत् 15 दिनों में शालीमार बाग, सैनिक विहार, मंगोलपुरी, कालकाजी, मस्जिद मोठ, लाजपत नगर, मोती बाग, नजफगढ़, विकास पुरी, जनकपुरी, सुन्दर विहार, भैरो एनक्लेव, सरस्वती विहार, विशाखा एनक्लेव, मुलतान नगर, पश्चिम विहार, पंजाबी बाग आदि विभिन्न 20 स्थानों पर सम्बोधित किया।

दिल्ली हाट पीतमपुरा में महर्षि दयानन्द बलिदान दिवस पर संगीत संध्या 30 अक्तुबर को

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् नई दिल्ली के तत्वावधान में रविवार 30 अक्तुबर 2011 को सायं 4.00 बजे से रात्रि 8.00 बजे तक दिल्ली हाट पीतमपुरा, दिल्ली 34 में भव्य संगीत संध्या का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें श्री नरेन्द्र आर्य सुमन, सुदेश आर्या, ऋचा व प्रिया गुलाटी के भजन होगें। सभी आर्य बन्धु हजारों की संख्या में पहुंचकर गुरुदेव दयानन्द को अपने श्रद्धासुमन अर्पित करें। ऋषि लंगर रात्रि 8.00 बजे होगा।

भवदीय

डॉ. अनिल आर्य, अध्यक्ष **महेन्द्रभाई,** महामन्त्री **प्रदीप तायल,** समारोह अध्यक्ष **धर्मपाल आर्य,** राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष

लेख:-

शिक्षा में परिवर्तन की आवश्यकता

बीज जिस वस्तु का बोया जाता है, पौधा, फल उसी का तैयार होता है। ठीक इसी प्रकार विद्यालयों में जो शिक्षा दी जाती है उसी के अनुसार संस्कार, चरित्र निर्माण होता है। आज की विद्यालयी शिक्षा जड़ता के पर्दे को मजबूत कर रही है, जिसका परिणाम आतंकवाद, झूठ, कपट, अशांति, दु:ख प्रत्यक्ष है। परमाणु खतरा मंडरा रहा है, जिससे मानव विनाश की चौखट पर खड़ा है। मैकाले की शिक्षा पद्धति की अमर बेल ने आजादी के 64 वर्ष बीतने पर भी भारतवर्ष की वैदिक संस्कृति के कल्पवृक्ष को लपेटकर उसकी प्राणशक्ति को चूस लिया है। आज हमारा देश भौतिक पाश्चात्य संस्कृति की आंधी के सामने थर-थर कांप रहा है और यह आंधी वैदिक संस्कृति को जड़ मूल से उखाड़ने के लिये मचल रही है। आज के विद्यालयों के यज्ञ-कुंड में भारत की जनता अपनी आहुति दे रही है और इससे निकल रही है मद्य, मांस, मीन, मुद्रा एवं मैथुन के पंचमकारों की संस्कृति। अर्थ, काम का खूनी दानव भारत का रक्त पान कर रहा है। बबूल का बोया पौधा अब पेड़ बन गया है आम का फल देने वाला नहीं है। अत: शिक्षा में परिवर्तन की महती आवश्यकता है।

आदर्श शिक्षा का उद्देश्य चरित्र निर्माण, धर्म, अर्थ, काम, मोक्ष के पुरूषार्थ तथा बच्चों की अन्तर्निहित शक्तियों का जागरण कर उनका शारीरिक, मानसिक, आत्मिक विकास करना है। मानव को मानव बनाना है। इसके लिये जीवन कौशल की नैतिक शिक्षा की पाठ्य पुस्तकें कक्षा 1 से 12 तक की सत्य ज्ञान व सत्य-नीति की, आधुनिकतम तरीके की, तर्क, विज्ञान सम्मत, धर्म, मजहब, जाति, मत पंथ, सम्प्रदाय से परे, प्राणी मात्र के हित की, सर्वमान्य, तैयार होनी चाहिये। ऐसी दिव्य पुस्तकें शांति के प्रशस्त पथ पर राह दिखायेगी, आचरण दिव्य होकर सुसंस्कार बनेंगे और जीवन सफल होगा। आज के विद्यार्थी आने वाले कल के भावी नागरिक हैं। बच्चे की वे कलियां है, जो महकते हुये फूल बनेंगे। विद्यार्थी ही मानव जीवन की आधार शिला है तथा संस्कृति, सभ्यता, आचार-विचार, रीति-नीति की रीढ़ की हड्डी है।

आदर्श शिक्षा की पाठ्य पुस्तकें सत्य-ज्ञान, सत्य-नीति पर आधारित होने से दया, क्षमा, सहनशीलता, अहिंसा, सत्य मैत्रीभाव, पवित्रता, सन्तोष, सात्विकता, तप, स्वाध्याय, ईश्वर समर्पण के पथ पर ले जावेगी। ऐसी शिक्षा के स्रोत्र का एकमात्र समाधान है वेद वाड्मय सम्मत विद्यालयी शिक्षा। वेद ही शिक्षा के आधार हो इसके लिये निम्न बिन्दू स्वत: स्पष्ट हैं-

सृष्टि के प्रारम्भ में मानव के मार्ग-दर्शन और कल्याण के लिये प्रभु ने जो ज्ञान प्रदान किया उसका नाम है "वेद"। वेद सर्वशक्तिमान भगवान की वाणी है, जो आकाशवत विस्तृत है। जिस प्रकार माप की पराकाष्ठा आकाश में परिसमाप्त है, उसी प्रकार ज्ञान की पराकाष्ठा वेद में परिसमाप्त है। ज्ञान वह प्रकाश है जो मनुष्य के मन और मस्तिष्क का अज्ञान रुपी अंधकार समाप्त कर दिव्यता से ओत-प्रोत कर देता है। वेद में सब सत्य विद्याओं का बीज पाया जाता है और विज्ञान विषयों का ज्ञान प्राप्त होता है। शुद्ध एवं दिव्य आदर्श आत्मबल प्राप्त करने का साधन वेद ज्ञान है, जिससे जीवन में सब कुछ मिल जाता है। जो भी सत्य, सही विचार के ग्रंथ, साहित्य हैं सब वेद के अन्तर्गत ही है। वेद का मंत्र है

मनुर्भव जनया दैव्यं जनम् (ऋग्वेद 10.53.6)

तु मानव बन। दिव्य गुणों से ओत-प्रोत मानव का निर्माण कर।

इसी आधार पर कक्षा 1 से 12 तक की सत्य-ज्ञान, सत्यनीति की आचरण में ढलने वाली विद्यालयी पुस्तकें तैयार होकर विद्यालयों में लागू होनी चाहिये। विद्वानों, लेखकों, समाज सेवियों, सुधारकों, समर्थों से पुरजोर अपील है कि व्यक्तिगत या समिति बनाकर या संस्था के द्वारा ऐसी पुस्तकें तैयार कर विद्यालयों में लागू करावें जिससे विश्व में चरित्र सुधरेंगे, सुसंस्कार बनेंगे, दिव्य काम होंगे तथा विश्व के मानव सुखी आनन्दित हो जावेंगे। यही आज के आचार-विचार, रहन-सहन, खान-पान के गिरते स्तर को सुधारने का सही इलाज है। **-ब्रह्मप्रकाश लाहोटी,** पो. सुजानगढ़, राज.

आखिर हिन्दू कहां जायें : बी.एल. शर्मा 'प्रेम'

पाकिस्तान सिंध प्रांत से आये 19 परिवारों के 114 सदस्य दिल्ली के डेरा बाबा धुनीदास जी मजनू के टीला पर रुके हैं यह परिवार टूरिस्ट वीजा पर हिन्दुस्तान आये थे। वर्तमान में जो हालात पाकिस्तान में बने हुए हैं 'इस्लामिक आतंकवाद' के आगे वहां की सरकार भी बेबस है और अत्याचारों के कारण ये परिवार किसी भी कीमत पर वापिस नहीं जाना चाहते। चूंकि इनका वीजा 8 अक्टूबर को समाप्त होने जा रहा है यह परिवार अत्यधिक मानसिक तनाव में है। अखण्ड हिन्दुस्थान मोर्चा के संस्थापक एवं पूर्व सांसद श्री बी.एल शर्मा 'प्रेम' इन परिवारों के हालत जानने के लिए डेरा धुनीदास जी के डेरा पर अखण्ड हिन्दुस्थान मोर्चा के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष श्री संदीप आहूजा, निगम पार्षद श्रीमती उषा गुप्ता, भक्ति सेवा समिति ट्रस्ट के श्री अशोक महाजन व सिंधी भाषा की जानकार श्रीमती राजश्री के साथ गये। डेरे में उपस्थित हिन्दू पाकिस्तानी परिवारों ने अपनी व्यथा श्री प्रेम जी को सुनाई और अपने पासपोर्ट व वीजा दिखाये। कई लोगों ने तो पाकिस्तान में हिन्दुओं पर हो रहे अत्याचारों की लोमहर्षक घटनाएं भी सुनाई। श्री प्रेम ने इन परिवारों को सांत्वना देते हुए कहा कि वह शीघ्र ही गृहमंत्री व विदेशमंत्री के पास वीजा बढ़वाने की मांग लेकर जायेंगे। श्री प्रेम ने खेद प्रकट करते हुए कहा कि भारत में लाखों बंगलादेशी अवैध रूप से रह रहे हैं, विश्व में हिन्दुओं पर अत्याचार हो तो आखिर हिन्दू कहां जायें? अत: यह भारत सरकार को सुनिश्चित करना होगा। उल्लेखनीय है कि शक्ति सेवा समिति ट्रस्ट (गाजियाबाद) द्वारा इन परिवारों को ठहरने, भोजन व चिकित्सा इत्यादि की व्यवस्था अपने ऊपर ले रखी है।

सरदार पटेल जयन्ती (31 अक्टूबर)

आप अपने अभूतपूर्व कार्यों के कारण लौह पुरुष कहलाए। आपकी सोच-मानसिकता कांग्रेस में रहते हुए भी सावरकरवादी थी। आपने 561 देसी रियासतों का भारत में विलय किया जिस पर आज तक कोई विवाद नहीं है।

आपको शेख अब्दुल्ला पर कतई विश्वास नहीं था। वे राज्य का मुख्यमंत्री किसी हिन्दू नेता को बनाना चाहते थे। ताकि हिन्दू का प्रतिशत 48 से बढ़कर 60 से अधिक हो जाए। महाराजा हरीसिंह भी सरदार पटेल से सहमत थे। पटेल ने नेहरु से स्पष्ट कहा था कि राज्य को मुस्लिम बहुल रखकर भयंकर गलती की जा रही है।

पटेल जी नेहरू की तिब्बत सम्बन्धी नीति से भी सहमत नहीं थे। उन्होंने चीन की विस्तारवादी और कुटिल चालों से नेहरू को सावधान किया था। 1950 में सरदार पटेल की मृत्यु हो जाने के बाद चीन ने 1951 से तिब्बत पर शिकंजा कसना शुरू किया और 1959 में पूरा तिब्बत छीन लिया।

1947 में 15 राज्यों में से 12 राज्यों की कांग्रेस कमेटियां सरदार पटेल को स्वतन्त्र भारत का प्रथम प्रधानमंत्री बनाना चाहती थीं किन्तु गांधी जी ने दबाव डालकर नेहरू को प्रथम प्रधानमंत्री बनवा दिया।

आपने सोमनाथ मंदिर का जीर्णोद्वार/भव्य-निर्माण भारत सरकार की मीटिंग में प्रस्ताव पारित करके। उन्होंने नेहरू-गांधी और मुस्लिमों के विरोध की कोई परवाह नहीं की।

यदि आप कुछ वर्ष और जीवित रहते तो अयोध्या-मथुरा-वाराणसी के मंदिरों का जीर्णोद्वार भव्यनिर्माण निश्चित रूप से भारत सरकार द्वारा करा देते। वे तुष्टीकरण के विरोधी थे। उन्हें मुस्लिम वोट बैंक की कतई चिन्ता नहीं थी।

उन्होंने कहा था कि भारत में केवल एक मुस्लिम ही राष्ट्रवादी है जिसका नाम है-जवाहर लाल नेहरू।

सरदार पटेल की जयन्ती सर्वत्र जोर-शोर से मनाई जानी चाहिए और उनका अनुयायी बनना चाहिए। **-वीरेन्द्र कुमार अग्रवाल, बुलन्दशहर**

आर्य समाज, बी-ब्लॉक, जनकपुरी, नई दिल्ली

आर्य समाज, बी-ब्लॉक, जनकपुरी, नई दिल्ली में प्रवचन करते हुए वैदिक विद्वान् आचार्य गणेश प्रसाद विद्यालंकार जी ने कहा कि मनुष्य का जीवन अनमोल है मनुष्य में जीजिविषा अर्थात् जीने की इच्छा होनी चाहिए, मृत्यु की नहीं। मनुष्य अच्छे-अच्छे कर्म करते हुए सौ वर्ष तक जीने की इच्छा करे।

आर्य समाज के यशस्वी प्रधान एवं वैदिक विद्वान् डॉ. सुन्दरलाल कथूरिया जी ने कहा कि यजुर्वेद के चालीसवें अध्याय में कर्मशील जीव को ओ३म् नाम के स्मरण का आदेश दिया गया है-'ओ३म् क्रतो स्मर:।' मनुष्य सद्कर्म करते हुए सौ वर्षों तक जीने की इच्छा करे ये सौ वर्ष समय के संकेतक हैं और समय की लघुतम इकाई है क्षण। **-जगदीश गुलाटी, मंत्री**

गुरुकुल होशंगाबाद शताब्दी

आर्ष गुरुकुल महाविद्यालय के 100 वर्ष पूर्ण होने पर गुरुकुल शताब्दी समारोह होशंगाबाद (म.प्र.) में दिनांक 5 से 7 नवम्बर तक मनाया जायेगा।

इस शताब्दी समारोह में विविध सम्मेलन एवं विश्व कल्याण महायज्ञ तीनों दिन सम्पन्न होगा।

आचार्य योगेन्द्र याज्ञिक मो. 9424471288 | आचार्य सत्यसिंधु आर्य मो. 9907056726 | स्वामी ऋतस्पति परिव्राजक मो. 9827513029

दिल्ली चलो! दिल्ली चलो!!

अखिल भारतीय आर्य महासम्मेलन

251 कुण्डीय विराट् यज्ञ

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् नई दिल्ली के तत्वावधान में दिनांक 27, 28, 29 जनवरी 2012 को 251 कुण्डीय विराट् यज्ञ व अखिल भारतीय आर्य महासम्मेलन रामलीला मैदान, जी.टी.बी. एनक्लेव, दिलशाद गार्डन, पूर्वी दिल्ली में होगा। सभी आर्य समाजें, आर्य जन उपरोक्त तिथियां नोट कर लें। कृपया अपने पधारने की व संख्या के बारे में तुरन्त सूचित करें।

भवदीय

डॉ. अनिल आर्य अध्यक्ष | महेन्द्रभाई महामन्त्री | रामकुमार सिंह राष्ट्रीय उपाध्यक्ष | यशोवीर आर्य राष्ट्रीय उपाध्यक्ष

जम्मू कश्मीर विलय दिवस (26 अक्टूबर)

विलय पर विवाद क्यों?

नेहरू जी और गांधी जी की अदूरदर्शी नीतियों से रियासत का विलय अभी तक विवादस्पद बना हुआ है जबकि रियासत के आधे भाग पर पाकिस्तान और चीन ने अवैध कब्जा कर रखा है। नेहरू जी व गांधी जी की यह महान गलती थी कि ये दोनों, अब्दुल्ला को ही राज्य का शासन सौंपना चाहते थे। शेख अब्दुल्ला ने सत्ता ग्रहण करते ही युद्ध विराम करा दिया, धारा 370 लगवा दी, अलग संविधान और अलग झन्डें को भी मान्यता दे दी। मुस्लिमों को बढ़ावा दिया और हिन्दुओं की उपेक्षा की जाती रही। वे कभी राष्ट्रवादी बनते तो कभी अलगाव वादी भाषा बोलते थे। उनके पुत्र फारुख अब्दुल्ला और पौत्र उमर अब्दुल्ला का भी यही हाल है। 1947 में हिन्दू का प्रतिशत 48 था जो अब घटकर 35 प्रतिशत रह गया है।

आंतकवादी क्या चाहते हैं?

ये भारत विरोधी नारे लगाते हैं। प्रदर्शन करते हैं। हिंसक कार्य करते हैं। निर्दोषों की हत्या करते हैं। पुलिस-सेना से भी मोर्चा लेते हैं। प्रशिक्षित हैं और आधुनिक हथियारों से लैस हैं। ये जम्मू-कश्मीर-लद्दाख का पाकिस्तान में विलय चाहते हैं और पूरे राज्य का इस्लामीकरण करना चाहते हैं। सेना के अधिकार सीमित हैं। राज्य के मुस्लिम भी इन्हें सहयोग कर देते हैं। आए दिन छोटी-छोटी घटनाओं की आड़ में प्रशासन को असामान्य बना देते हैं। इनका कहना है कि राज्य की जनता विलय का फैसला करेगी जबकि विलय पर फैसला करने पर अधिकार तत्कालीन महाराजा हरीसिंह को ही था।

समस्या का हल क्या है?

जब तक अलग झण्डा, अलग संविधान, धारा 370 को हटाकर जम्मू और लद्दाख में हिन्दूओं को बसाकर, हिन्दू का प्रतिशत 60 से ऊपर नहीं कर दिया जाता है और राज्य का मुख्यमंत्री किसी हिन्दू को नहीं बना दिया जाता है तब तक विलय पर खतरे की घंटी और तलवार लटकी ही रहेगी। यह कार्य सख्ती से कोई फौजी या दूरदर्शी नेता ही कर सकता है।

यदि यह कार्य नहीं हो पाता है तो पाकिस्तान से पूर्वी सिन्ध का हिन्दू बहुल क्षेत्र लेकर, मुस्लिम बहुल कश्मीर घाटी को देकर समस्या को स्थायी रूप से हल किया जाए। 1947 में पूर्वी सिन्ध भारत को नहीं मिला था जबकि राष्ट्रगान में सिन्ध अब भी बोला जाता है अत: क्षेत्रों की अदला-बदली करके नेहरु जी द्वारा उत्पन्न की गई समस्या को समाप्त किया जाए। नियन्त्रण रेखा को हटाकर अन्तर्राष्ट्रीय सीमा रेखा स्थापित की जाए। **–इन्द्रदेव गुलाटी**, संस्थापक, सावरकरवाद प्रचार सभा 26 के. पी. रोड़, बुलन्दशहर

विधायक सुरेन्द्रपाल सिंह बिट्टु को बधाई

विधायक श्री सुरेन्द्रपाल सिंह बिट्टु की सुपुत्री आ. साहिब कौर व चि. गगन दीप सिंह का शुभ विवाह रविवार, 16 अक्टूबर 2011, को गुरूद्वारा रकाब गंज, नई दिल्ली ने सम्पन्न हुआ। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् व युवा उद्घोष की ओर से नव दम्पति को सुखी दाम्पत्य जीवन की ढेरों बधाईयां। –डॉ. अनिल आर्य

आगरा में प्रान्तीय आर्य महासम्मेलन

आर्य प्रतिनिधि सभा उत्तर प्रदेश के तत्वाधान में दिनांक 29, 30, 31 अक्टूबर 2011 को राजकीय इन्टर कालेज मैदान, पंचकुईयां, आगरा में आयोजित किया जा रहा है। सभी आर्य जन हजारों की संख्या में पहुंचे। –रमाकांत सारस्वत, संयोजक, मो. 9719003853

आर्य समाज सरस्वती विहार में विचार गोष्ठी

आर्य महिला वेद प्रचार मण्डल उत्तर पश्चिम दिल्ली के तत्वाधान में दिनांक 16 नवम्बर 2011 को दोपहर 2 बजे आर्य समाज सरस्वती विहार बी-ब्लाक, दिल्ली में "मनुष्य स्वयं के अथवा दूसरों के कर्म का फल भी पाता है।" विषय पर विचार गोष्ठी श्रीमती प्रभा सेठी की अध्यक्षता में होगी।

उर्मिला आर्या, महामंत्री, मो. 9968044746 रचना आहूजा, अध्यक्षा, मो. 9311175772

श्री माया प्रकाश त्यागी पुन: प्रधान निर्वाचित

दिनांक 02.10.2011 को आर्य समाज मन्दिर, गोविन्दपुरी मोदीनगर में आर्य उपप्रतिनिधि सभा गाजियाबाद के वार्षिक अधिवेशन में जनपद भर के 44 आर्य समाजों के 161 प्रतिनिधियों ने भाग लिया। सर्वसम्मति से निर्वाचित अधिकारियों में प्रधान श्री माया प्रकाश त्यागी, मंत्री श्री नरेन्द्र कुमार आर्य, कोषाध्यक्ष श्री सत्यवीर चौधरी को आर्य प्रतिनिधि सभा उत्तर प्रदेश के पर्यवेक्षक चौ. हरपाल सिंह सभा उपमंत्री ने बधाई दी।

श्री वीरेन्द्र आहूजा का अनुकरणीय प्रयास

श्री वीरेन्द्र कुमार, मंत्री आर्य समाज गुड़मण्डी, दिल्ली-7 के विशेष प्रयास के फलस्वरूप नवीं व दसवीं कक्षाओं के जरूरतमंद विद्यार्थियों को गणित, विज्ञान एवं अंग्रेजी विषयों में फ्री कोचिंग दी जा रही है। उल्लेखनीय है कि गत वर्षों में भी वीरेन्द्र जी के प्रयत्नों से आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों को फ्री कोचिंग और नकद धनराशि के रूप में सहायता मिलती रही है। –महेन्द्र भाई

डी.ए.वी. प्रबन्धकर्त्री सभा के उपप्रधान का सम्पादक के नाम पत्र

विश्वनाथ

क्रमांक: 567 7 अक्टूबर, 2011

श्री अनिल आर्य
संपादक 'युवा उद्घोष'
आर्य समाज
टी-176-177, कबीर बस्ती
दिल्ली-110 007

प्रियवर,

आपकी पत्रिका 'युवा उद्घोष' निरंतर मिल रही है। युवा-वर्ग को समर्पित इस पत्रिका द्वारा आप आने वाली पीढ़ी के युवक-युवतियों में आर्यसमाज का संदेश देने का शुभ प्रयत्न कर रहे हैं। मैं आपके उत्साह की प्रशंसा करता हूँ, हालांकि मुझे तो चारों ओर आर्यसमाज में अवसाद ही दृष्टिगोचर होता है। केवल कुछेक गिनती की ही आर्यसमाजें सक्रिय हैं। सभाएं भी प्रचार के नाम पर मानों सो रही हैं। आप अपने उद्देश्य में सफल हों।

शुभ कामनाएँ,

आपका

(विश्वनाथ)

निवास : 5, रैकेट कोर्ट रोड, सिविल लाइंस, दिल्ली-110 054
कार्यालय : डी.ए.वी. प्रकाशन विभाग, आर्य समाज बिल्डिंग, यू.बी. ब्लॉक, पीतमपुरा, दिल्ली-110 034

गुरूकुल कुरुक्षेत्र सूचना

स्थानेश्वर (कुरुक्षेत्र) निवासी दानवीर लाला ज्योति प्रसाद जी द्वारा दान दी गई धरा पर अमर हुतात्मा स्वामी श्रद्धानन्द जी ने गुरुकुल कुरुक्षेत्र की स्थापना 13 अप्रैल, 1912 को की। आने वाले वर्ष में इसका भव्य शताब्दी वर्ष मनाया जाएगा। अत: गुरुकुल के उन पुरातन छात्रों से साग्रह निवेदन है जिन्होंने यहाँ शिक्षा ग्रहण की है वे कृपया अपना पूरा पता फोन नंबर ईमेल पता व वर्तमान के कार्यक्षेत्र का विवरण अधोलिखित पते पर शीघ्रता से प्रेषित करने की कृपा करावें। साथ ही अपने उन सहपाठियों को भी सूचित करें जो आपके साथ सहाध्यायी रहे हैं।

सम्पर्क सूचना-नन्दकिशोर आर्य 094664-36220 –डॉ. देवव्रत आचार्य, प्राचार्य
ईमेल-nandgurukkr@gmail.com

गोबिन्दपुरी आर्य समाज में वेद प्रचार सम्पन्न

आर्य समाज मन्दिर गोबिन्दपुरी, नई दिल्ली में 22 अगस्त से 28 अगस्त तक वेदप्रचार सप्ताह मनाया गया। हजारीबाग, झारखण्ड से पधारे हुए आचार्य कृष्ण प्रसाद कौटिल्य के ब्रह्मत्व में चतुर्वेदशतकम् यज्ञ सम्पन्न हुआ। एक सप्ताह तक निरन्तर रात्रि की सभा में उनके द्वारा दिये गए वैदिक प्रवचन का उपस्थित आर्य सत्संग प्रेमियों ने लाभ उठाया। पं. सत्यपाल सरल जी के भजनोपदेश का कार्यक्रम चलता रहा।

-सोमदेव मल्होत्रा, प्रधान

आर्य समाज दाल बाजार लुधियाना

आर्य समाज दाल बाजार लुधियाना में वेद प्रचार सप्ताह का समापन श्रीमति राजेश शर्मा की अध्यक्षता में मनाया गया। साथ ही श्री तेजपाल जी साथी का शहीदी दिवस भी मनाया गया। सबसे पहले श्रीमति बाला जी गम्भीर और श्रीमति अनु गुप्ता जी के भजन हुए। श्री श्रवण कुमार बत्रा ने अपने विचार रखे। श्री सुखपाल जी भजनोपदेशक ने मधुर स्वर से वेदों की शिक्षा बारे गुणगान किया। मुख्य वक्ता आचार्य श्री रामानन्द जी शिमला वालों ने वेदों की शिक्षा एवं आर्य समाज के सामाजिक कार्यों के बारे में बताया।

प्रधान श्री सन्त कुमार जी ने आए हुए सभी विद्वानों का और सभी आर्यो का धन्यवाद किया। तत्पश्चात श्री चतुर्भुज जी मित्तल गुरूकुल करतारपुर के अध्यक्ष को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में देवपाल आर्य राजिन्द्र गुप्ता, रमाकान्त महाजन, संजीव चड्ढा, सुरेश चड्ढा, अजय सूद, माता कौशल्या , श्रीमति इन्द्रा शर्मा जी प्रधाना आदि ने बढ़-चढ़ कर भाग लिया।

आर्य समाज सीताराम बाजार, दिल्ली

प्रधान-रामकिशन अग्रवाल, मंत्री श्री बाबूराम आर्य व कोषाध्यक्ष श्री अरुण गुप्ता चुने गये। तदर्थ बधाई।

परिषद् अध्यक्ष डॉ. अनिल आर्य-पिंकी की 25वीं वैवाहिक वर्षगांठ पर भव्य समारोह

मंगलवार, 4 अक्टूबर 2011, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अनिल आर्य व श्रीमती पिंकी के विवाह की 25 वीं वर्षगांठ पर आर्यसमाज, शालीमार बाग (वैस्ट) दिल्ली में भव्य समारोह का आयोजन किया गया। चित्र में दिल्ली विधान सभा के अध्यक्ष डॉ. योगानंद शास्त्री व ऐमिटी शिक्षण संस्थान के निदेशक श्री आनंद चौहान शुभकामनाऐं देते हुए। इस अवसर पर श्री श्यामलाल गर्ग (विधायक), श्री हरिशंकर गुप्ता (विधायक), श्री सुरेन्द्र पाल सिंह बिट्टु (विधायक), श्री मांगेराम गर्ग (पूर्व विधायक), श्री सुदेश भसीन (पार्षद), श्री यशपाल आर्य (पार्षद), श्री जयभगवान गोयल (राष्ट्रवादी शिवसेना), श्री दीपक भारद्वाज, श्री राजीव कुमार परम, डा. धर्मपाल आर्य, डा. ओमप्रकाश मान, श्री रवि चड्डा, श्री राजेन्द्र लाम्बा, श्री भजनप्रकाश आर्य, श्री कांतिप्रकाश आर्य, श्री शशि भूषण मल्होत्रा, श्री प्रेमपाल शास्त्री, आचार्य गवेन्द्र शास्त्री, श्री महेन्द्र भाई, श्री राकेश भटनागर, श्री सुरेश आर्य, श्री धर्मपाल आर्य, श्री सुदर्शन तनेजा, श्री ओम सपरा, माता सुदर्शन खन्ना, ऋचा व राकेश भार्गव (मंयक प्रिन्टर्स), श्री देवेन्द्र यादव,श्री राकेश भार्गव (ऐस्कार्टस) आदि अनेकों प्रतिष्ठित शुभचिन्तकों ने पधार कर शुभकामनाएं प्रदान की। संचालन श्री दुर्गेश आर्य ने किया।

आर्य समाज मस्जिद मोठ पर चला बुलडोजर

गत् दिनांक 20 सितम्बर 2011 को दक्षिण दिल्ली की 1907 में स्थापित आर्य समाज मस्जिद मोठ पर दिल्ली नगर निगम के अधिकारियों ने बुलडोजर चला कर आपातकाल की याद ताजा करती। सर्वत्र आर्य जनता में इस काण्ड से रोष की लहर फैल गयी व चुंहूं ओर निन्दा होने लगी। मण्डल के प्रधान श्री जितेन्द्र डावर, मंत्री श्री चतरसिंह नागर व श्री रविदेव गुप्ता के नेतृत्व में प्रतिनिधि मण्डल डा. विजय कुमार मल्होत्रा, प्रो. रजनी अब्बी (महापौर) श्री सुभाष आर्य, (नेता सदन, दिल्ली नगर निगम), आरती मेहरा (पार्षद) से मिला। उन्होंने शीघ्र क्षति पूर्ति करने व पुन: निर्माण का आश्वासन दिया है।

प्रान्तीय संचालक रामकुमार सिंह का जन्मोत्सव सम्पन्न

शनिवार, 1 अक्टूबर 2011, परिषद् के दिल्ली प्रान्तीय संचालक श्री रामकुमार सिंह आर्य का 50 वां जन्मोत्सव दुर्गापुरी में समारोह पूर्वक मनाया गया।

चित्र में स्वामी आर्यवेश जी प्रवचन करते हुए साथ में श्री राजीव परम, रामकुमार सिंह व डॉ. अनिल आर्य। आचार्य गवेन्द्र शास्त्री यज्ञ के ब्रह्मा बने व आचार्य सतीश सत्यम् के मधुर भजन हुए। संचालन श्री महेन्द्र भाई ने किया।

आर्य समाज सन्देश विहार का वार्षिकोत्सव

आर्य समाज सन्देश विहार दिल्ली का वार्षिकोत्सव दिनांक 11,12, 13 नवम्बर 2011 को सौल्लास मनाया जा रहा है। आचार्य संदीप जी सोनीपत के प्रवचन होंगे।

शशिभूषण मल्होत्रा, प्रधान **दुर्गेश आर्य, मंत्री**

श्री ओमबीर सिंह आर्य का सपत्निक अभिनंदन

रविवार, 2 अक्टूबर 2011, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के कर्मठ कार्यकर्त्ता श्री ओमबीर सिंह आर्य ने अपने नये मकान का गृहप्रवेश उत्तम नगर, दिल्ली में किया। इस अवसर पर श्रीमति एवं श्री ओमबीर सिंह आर्य को सम्मानित कर शुभकामनाएं प्रदान करते बांये से श्री चतर सिंह नागर, डॉ. अनिल आर्य, जितेन्द्र डावर, आचार्य चन्द्रशेखर शर्मा व श्री हरबंस लाल कोहली।

आर्य समाज मोती बाग नई दिल्ली

रविवार, 9 अक्टुबर 2011, आर्य समाज मोती बाग, नई दिल्ली में आयेजित बाल संस्कार समारोह में श्री ओमबीर सिंह आर्य को सम्मानित करते डॉ. अनिल आर्य, प्रधान श्री महावीर सिंह आर्य व मंत्री श्री सुरेन्द्र गुप्ता आदि।

शोक समाचार

1. पूर्व केन्द्रीय मंत्री श्री वसन्त साठे का गत 22.9.11 को निधन हो गया।
2. बाबा रामदेव जी की सहयोगी बहिन राजबाला का गत 26.9.11 निधन हो गया।
3. आर्य नेता श्री वेदप्रकाश आर्य (दीनानगर पंजाब) का निधन हो गया।
4. श्री गोपाल शर्मा के पिता पं. नाथी राम जी का गत 21.9.11 को निधन हो गया।
5. श्रीमती सरला सूरी (धर्मपत्नी स्व. श्री शान्तिलाल सूरी) को गत दिनों निधन।
6. श्रीमती सत्या चावला (धर्मपत्नी श्री वेदप्रकाश चावला) का गत 7.10.11 को निधन।
7. श्रीमती चन्द्रवती देवी (धर्मपत्नी स्व. श्री राजपाल सिंह शास्त्री) का गत 2.10.11 को निधन। विनम्र श्रद्धांजलि।

सम्पादक: **अनिल कुमार आर्य** द्वारा केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के लिए **मयंक प्रिंटर्स**,2199/63, नाईवाला, करोलबाग, दिल्ली-5 दूरभाष : 41548504 मो. : 9810580474 से मुद्रित व परिषद् कार्यालय आर्य समाज टी-176-177, कबीर बस्ती, दिल्ली-7 से प्रकाशित, **प्रबन्धक** : दिनेश आर्य, मोबाइल : 9910649696, देवेन्द्र भगत, मोबाइल : 09958889970